nt>

Title: Regarding problems being faced by the families displaced due to continuous shelling by Pakistan on the border .

श्री मदन लाल शर्मा (जम्मू) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी वसासत से कहना चाहता हूं कि मेरे अपने क्षेत्र जम्मू-पूंछ पार्लियामेंट्री हल्के के बार्डर से उजड़े हुए रिफ्यूज़ी, जो बगैर वर्दी इस मुल्क के मुहाफिज़ हैं, पिछले छः साल से रिफ्यूजी कैंपों में रह रहे हैं। मैं यह मानता हूं कि साबका सरकार की बेरूखी से उन लोगों की हालत बिगड़ी और अब वे कैम्पों में हैं। अब जबकि दोनों देशों के सम्बन्धों में पीस प्रोसेस चल रहा है। बस और ट्रेन भी बहाल हो गई है, सफीर भी दोनों मुल्कों के एक दूसरे के मुल्क में बैठ गये, लेकिन जो हमारे देश के बहादुर लोग सरहदों पर बसते हैं, वे आज तक सरहदी कैम्पों के अन्दर हैं। उनके पास न खाने के लिए राशन है, उनके टेण्ट भी फट गये हैं, न उनके पास तेल है, न कैश रिलीफ है। मैं सरकार की तवज्जह दिलाना चाहता हूं कि उन लोगों के रिहेबिलिटेशन के लिए फौरी एकदामात उठाये जायें ताकि वे अपने घरों में वापस जा सकें।